बनवारी गिरधारी अब राखो लाज हमारी लिरिक्स

बनवारी गिरधारी,
अब राखो लाज हमारी,
लाज ही है अब मुझ निर्धन की,
जीवन पूँजी सारी,
बनवारीं गिरधारी,
अब राखो लाज हमारी।bd।

तर्ज – रखवाला प्रतिपाला।

सरे बाज़ार में आज ऐ बाबा,
लुट रही लाज हमारी,
चुप बैठे दीनो के नाथ तुम,
फिकर नहीं क्या हमारी,
अब तो हमको मोहन बस एक,
आस लगी है तुम्हारी,
बनवारीं गिरधारी,
अब राखो लाज हमारी।bd।

तेरे द्वार पे ओ सांवरिया,
आते है लाज के मारे,
मेरी लाज का तू रखवाला,
तुझको ही आज पुकारें,
तू भी जो अनसुनी करेगा,
कौन सुनेगा हमारी,
बनवारीं गिरधारी,
अब राखो लाज हमारी।bd।

रागी की लाज पे जब जब आई,
दौड़े हो तुम ही कन्हैया,
बिन पतवार के डूब गई जो,
दरश की लाज की नैया,
कहाँ गए तेरे मोहन पगली,
पूछेगी दुनिया सारी,
बनवारीं गिरधारी,
अब राखो लाज हमारी।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

बनवारी गिरधारी,
अब राखो लाज हमारी,
लाज ही है अब मुझ निर्धन की,
जीवन पूँजी सारी,
बनवारीं गिरधारी,
अब राखो लाज हमारी।bd।

Singer – Amit Kalra 'Meetu'

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com